ज्ञान विचार
जिंदगी की लंबाई नहीं बल्कि गहराई मायने रखती है।

गजब हरियाणा के पांचवें स्थापना दिवस पर विशेषांक

P.K.L. No. HR/KKR/184/2022-24

सच्ची व सटीक खबर-आप तक

गजब हरियाणा

हिन्दी राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र

सम्पादक : जरनैल सिंह

छाया : राजरानी

www.gajabharyana.com ♦वर्ष :06 ♦अंक : 06 ♦11 जून 2023 ♦पेज-4 ♦ मूल्य : 7 रुपए 150/- रुपए सालाना Email : gajabharynamews@gmail.com

बण्डारू दत्तात्रेय
राज्यपाल हरियाणा

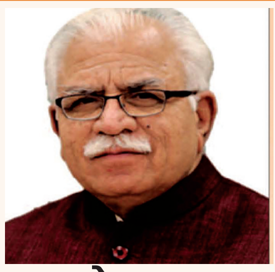
मनोहर लाल
मुख्यमंत्री हरियाणा

गजब हरियाणा समाचार पत्र
के पांचवें स्थापना दिवस पर
सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं व शुभचिंतकों को बधाई

डॉ. बनवारी लाल, सहकारिता मंत्री | संदीप सिंह, मंत्री हरियाणा | नायब सैनी, सांसद कुरुक्षेत्र | मेवा सिंह, विधायक, लाडवा | सुभाष सुधा, विधायक, थानेसर | रामकरण काला, विधायक, थानेसर | कुमारी सैलजा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री | डॉ. कृपा राम पूनिया, पूर्व मंत्री, रिटायर्ड आईएएस | डॉ. आर.आर. फूलिया, पूर्व एसीएस, पूर्व आईएएस | डॉ. पवन सैनी, पूर्व विधायक लाडवा | सूरजभान कटारिया, सदस्य, एमएसजेई भारत सरकार

अशोक अरोड़ा, पूर्व मंत्री | डॉ. अशोक तंवर, पूर्व सांसद सिरसा | शांतनु शर्मा, उपायुक्त कुरुक्षेत्र | सुरेन्द्र सिंह भौरिया, एसपी कुरुक्षेत्र | सुभाष चन्द, डीएसपी हैडक्वार्टर कुरुक्षेत्र | डॉ. नरेन्द्र सिंह, डी.आई.पी.आर.ओ | बाबू राम तुषार, प्रधान मीडिया वैल्फेयर क्लब | संजीव बंसल, वरिष्ठ पत्रकार | बिमला सरोहा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महिला कांग्रेस हरियाणा | रीना वाल्मीकि, कार्यकारी अध्यक्ष एससी विभाग हरियाणा कांग्रेस | संदीप गर्ग लाडवा, प्रतिष्ठित समाजसेवी | सूरजभान नरवाल, प्रधान, श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा

गुरदयाल सिंह, संस्थापक कुरुक्षेत्र दर्शन | सुरेश यूनिसपुर, प्रदेश महासचिव कांग्रेस हरियाणा | सुरेन्द्र सैनी, समाजसेवी | राजीव गोयल, पूर्व मंडी प्रधान पीपली | पवन चौधरी, समाजसेवी | जसमेर सोलेखे, एडवोकेट | कुलवंत सिंह, एडवोकेट | सुखबीर सिंह, ब्यूरो चीफ यमुनानगर/अंबाला | रविंद्र कुमार, पत्रकार, पिपली | नरेंद्र धुमसी, सहसंपादक | जरनैल सिंह, सम्पादक

गजब हरियाणा
राष्ट्रीय समाचार पत्र के सफलतापूर्वक पांच वर्ष पूर्ण होने पर संपादक जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को बहुत बहुत शुभकामनाएं
5 YEARS

महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ जी एडवोकेट
गद्दीनशीन व राष्ट्रीय अध्यक्ष निराकारी जागृति मिशन,भारत एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन
अम्बाला-नारायणगढ़ रोड नजदीक खतौली गेट, खतौली, अम्बाला हरियाणा

गजब हरियाणा
समाचार पत्र

के सफलता पूर्वक पांच वर्ष पूर्ण होने पर संपादक जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को बहुत बहुत शुभकामनाएं
संत श्री निर्मल दास जी महाराज
गद्दीनशीन, डेरा बाबा लाल दास कपालमोचन, यमुनानगर

गजब हरियाणा
समाचार पत्र
की स्थापना के
सफलता के पांच वर्ष
पूर्ण होने पर हार्दिक शुभकामनाएं
5 YEARS

रामकरण काला
विधायक एवं चेयरमैन, हरियाणा शुगरफेड

गजब हरियाणा
समाचार पत्र
5 YEARS
की स्थापना के
सफलता के पांच वर्ष
पूर्ण होने पर हार्दिक शुभकामनाएं
सुनीता कुमारी बिबयान

एडवोकेट बनारसी दास बिबयान
पूर्व बैंक अधिकारी

5 YEARS
गजब हरियाणा
समाचार पत्र की स्थापना के
सफलता के पांच वर्ष
पूर्ण होने पर हार्दिक शुभकामनाएं
सेवा मेरा कर्म सेवा मेरा धर्म
हलका लाडवा की जनता के सच्चे हितैषी, दुःख सुख के साथी, प्रसिद्ध समाजसेवी

संदीप गर्ग लाडवा
युवा नेता
+91 96149-33333
संदीप गर्ग लाडवा से जुड़ने के लिए 8278282782 पर मिस कॉल दें

गजब हरियाणा
समाचार पत्र
की स्थापना के
सफलता के पांच वर्ष
5 YEARS
पूर्ण होने पर हार्दिक शुभकामनाएं
एन.आर फुले
डिप्टी कमिश्नर जीएसटी

एडवोकेट सुमन फुले

संपादकीय

नीच- ऊंच का आधार

गुण, कर्म, स्वभाव के कारण मनुष्य ऊंचे भी बनते हैं और नीचे भी गिने जाते हैं। अपनी विशेषताओं के कारण लोग प्रतिष्ठा भी प्राप्त करते हैं और नीच भी समझे जाते हैं, पर यह एक विचित्र बात है कि अमुक घर, वंश या कुल में जन्म लेने के कारण किसी को ऊंचा या नीचा समझा जावे। हर वंश में भले आदमी हो सकते हैं और बुरे भी। फिर उन सारे वंश को नीचा या ऊंचा मान लेना किसी भी प्रकार उचित नहीं कहा जा सकता।

प्राचीनकाल में किसी वंश के लोगों ने अच्छे या बुरे काम करके कोई प्रतिष्ठा या निंदा प्राप्त की थी तो उनके वंशजों को भी बिना उनके वर्त्तमान गुणों की जांच किए, पूर्वजों जैसा ही मान लिया जाए, इसमें क्या बुद्धिमत्ता है? कलेक्टर के बच्चों को कलेक्टर और डाक्टर के बच्चों को जब डाक्टर नहीं माना जाता तो किन्हीं भले या बुरे पूर्व पुरुषों के वंशजों को उन्हीं जैसा ऊंच या नीच कैसे माना जा सकता है? विशाल मानव समाज में अनेकों वंश, परिवार और वर्ग हो सकते हैं, पर जाति तो एक मनुष्य ही रहेगी। घोड़ा, गाय, भैंस, बकरी आदि पशुओं की जिस प्रकार अपनी-अपनी जाति होती है, उसी प्रकार मनुष्य की भी एक जाति है। गाय-गाय के बीच अंतर हो सकता है, यह अंतर उसकी निजी विशेषताओं के कारण होगा, पर पूज्य तो सभी गायें मानी जाएँगी। उनके सामाजिक सम्मान में तो कोई कमी न करेगा। मनुष्य और मनुष्य के बीच में ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता।

यह अनुपयुक्त दृष्टिकोण हमारे सामाजिक संगठन में भारी बाधा बना हुआ है। करोड़ों हिंदुओं को विधर्मी बना देने और देश के खंड-खंड करा देने का सारा दोष इसी संकीर्णता का है। हम जब तक अनेक भागों में विभक्त रहेंगे और एकदूसरे से घृणा करते रहेंगे, तब तक संगठित समाज की एकता का आशाजनक वातावरण कैसे उत्पन्न हो पावेगा? समाज को संगठित रखना है तो ऊंच-नीच, जात-पात की सोच को परे रखना होगा। क्योंकि इनसे कोई भी समाज तरक्की नहीं कर सकता।

जरनैल सिंह

अमृतवाणी

संत शिरोमणि गुरु रविदास जिओ की।

जय गुरुदेव जी
प्रानी किआ मेरा किआ तेरा।। जैसे तरुवर पंखि बसेरा ।। रहाऊ।।

व्याख्या त्व श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते हैं कि हे जीव! इस संसार में क्या मेरा है और क्या तेरा है जीव को इस संसार में रहना वृक्ष के पक्षी की तरह है। जैसे कोई पक्षी आकाश में उड़ता है और रात काटने के लिए किसी वृक्ष पर ठहरता है और सुबह होते ही उड़ जाता है।

धन गुरुदेव जी

राजस्थान की डॉ सुरभि बाल्मिकी का यूएसए की सेंट लुईस यूनिवर्सिटी में हुआ चयन

गजब हरियाणा न्यूज

राजस्थान। बीकानेर की डॉ. सुरभि बाल्मीकि का यूएसए की सेंट लुईस यूनिवर्सिटी की स्कूल ऑफ मेडिसिन में पेडिट्रिशियन न्यूरोलोजी की सुपर स्पेशलिटी ब्रांच में पीजी और डीएम कोर्स में चयन हुआ है। सुरभि ने यूजी की पढ़ाई एम्स दिल्ली से की है। सम्पूर्ण राजस्थान से मात्र 3 विद्यार्थी ही चुने गए हैं। बीकानेर से मात्र एक डॉ. सुरभि हैं। ध्यान रहे इस चयन प्रक्रिया में किसी तरह का आरक्षण नहीं होता है। डॉ. सुरभि का कीर्तिमान राजस्थान के लिए एक गौरवशाली इतिहास के रूप में अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा देता रहेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि की ओर बढ़ रही बदलाव सोशल सोसायटी

पूर्व आईएएस डॉ फूलिया ने पढ़ाया बच्चों को अनुशासन का पाठ, बच्चों से जीवन उपयोगी सवाल जवाब किए

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कैथल। बदलाव सोशल सोसायटी शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि की ओर बढ़ रही है। जोकि जन सेवा की भावना लेकर समाज के गरीब व आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को मुख्य धारा में लाने के लिए प्रयासरत हैं। सोसायटी ने डॉ भीमराव अंबेडकर बहुआयामी प्रशिक्षण संस्थान के लिए करीब पौने दो अकड़ जमीन खरीद कर एक ब्लॉक का 9 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा राव फुले और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर उद्घाटन किया गया। 5 मई बुद्ध पूर्णिमा के दिन को राष्ट्रमाता सावित्री बाई पुस्तकालय और डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम डिजिटल कक्षा कक्ष का शुभारंभ किया और 1 जून को ऑन लाइन व ऑफ लाइन क्लास की शुरुआत भी की गई। जिसमें पूरे जिला से सरकारी स्कूलों के करीब 100 बच्चे ऑफलाइन भी पहुंचे और 500 बच्चे ऑनलाइन एन.एम.एम.एस और बुनियाद की कोचिंग के लिए जुड़े। इन तीनों अवसर पर हरियाणा सरकार में पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, सेवानिवृत आई.ए.एस और दो यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर रहे डॉ आर आर फुलिया साक्षी बने। उन्होंने मुख्यरूप से पहुंचकर आर्थिक सहयोग दिया और सोसाइटी के पदाधिकारियों का हौसला भी बढ़ाया। यहां अनिल सिरोही, मनोज कुमार, गुरमेल, पीयूष, संदीप, सुशील,प्रकाश, पिंकी मैडम जो कम्प्यूटर साइंस, रिजनिग, मेथामेटिकस रिजनिंग, केमिस्ट्री,फिजिक्स, इकनॉमिक्स मेथामेटिक्स, जोगर्फी विषयों की पढ़ाई करवाएंगे। इस मौके पर विजेंद्र सिंह पूर्व एसपी(एच.जी), विदेश से केवल कृष्ण प्रसिद्ध बिजनेसमैन, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से हिंदी विभाग से प्रो. डॉ सुभाष सैनी, गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व आईएएस अधिकारी ने बच्चों को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ आर आर फुलिया ने डॉ भीमराव अंबेडकर बहुआयामी प्रशिक्षण संस्थान में शुरू किए गए एन.एम.एम.एस की परीक्षा के लिए प्रशिक्षण और बुनियाद की कोचिंग ले रहे बच्चों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने बच्चों से जीवन उपयोगी सवाल जवाब किए। जीवन में आगे बढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से हिंदी विभाग से प्रो. डॉ सुभाष सैनी ने भी बच्चों को शिक्षा ग्रहण करके आगे बढ़ने और अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

पेड़ लगाओ

मैनें पेड़ से फोन कर के पूछा कैसे हो, कहाँ रहते हो, आजकल दिखाई नहीं देते! पेड़ बोला मात्र चालीस साल पहले तक हम बहुत सारे नीम, पीपल, बढ़, कीकर, शीशम, जांडी, आम, जामुन, जाल, कंदू, शहतूत व लेसुवे आदि आपके आसपास ही रहते थे। याद करो तब तक आपके घरों में फर्नीचर के नाम पर खाट, पीढे व मूढ़े ही होते थे। खाट व पीढे के सिर्फ पावे हमारी लकड़ी से बनते थे। सेरु व बाही बाँस की ही होती थी, मूढ़े सरकंडे से बने होते थे। फिर आप लोगों को पता नहीं क्या हुआ आपने हमें अखाड बाडे काटना शुरू कर दिया। हमारी लकडी से डबल बैड, सोफे, मेज, अलमारी व कुर्सी आदि बना कर अपने घरों में भर ली। आप स्कूलों में टाट बिछाकर पा करते थे फिर हमें काट कर बैंच बना डाले। नजर घुमाओ और देखो कोई तीस चालीस साल पुराणा पेड़ आसपास है के! हम पेड़ आजकल आपके घर, दफ्तर व स्कूल कालेजों में ही हैं। मैनें फिर पेड से पूछा कि आज तो विश्व पर्यावरण दिवस है चलो एक पेड मैं लगा देता हूँ। पेड़ भड़क गया और कहा कि जन्मजात मुर्ख हो या पढ़लिख कर हो गये, लगता है हमारी लाश से बणे सोफे या डबल बैड पर बैठकर, ए.सी. चलाकर, सोशल मीडिया से प्रभावित हो कर फोन कर रहे हो। बाहर निकल कर देखो इस 48 के तापमान में हमारी वृद्धि कैसे होगी। अरे वो पश्चिमी जगत वाले अपने मौसम व मान्यताओं के हिसाब से दिन निर्धारित करते हैं और तुम अक्ल से अंधे भारतीय आँख मिंच कर उन्हें मानने लगते हो। पेड़ एक नहीं अनेक लगाना पर मानसून आने पर। जेठ के महीने में पेड़ लगायेगा आडू, पाणी तेरा बाप देगा। अषाढ़ से फागुन तक जितने मर्जी लगा लेना।

फिर पेड़ गाणा गाणे लगा ÷तेरी दुनिया से दूर, चले हो के मजबूर, हमें याद रखना
इतना कह कर पेड़ ने फोन रख दिया।

अक्षरी ज्ञान के साथ साथ मानवता का संदेश दे रहा गुरु रविदास स्कूल

पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ आर आर फुलिया ने किया अवलोकन, आर्थिक सहयोग किया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कैथल। शहर के प्रताप गेट पर स्थित एसआरडी पब्लिक स्कूल की बात करें तो यह दशक पहले श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला परिसर हुआ करता था। धर्मशाला की हालात दयनीय थी बल्कि नशेडि?ों का अड्डा बन चुकी थी। तो कुछ अध्यापकों ने इसमें सुधार लाने के लिए शिक्षा का केंद्र बनाने की ठानी। बड़े प्रयासों से 2015 में एक प्राथमिक स्कूल की स्थापना की गई। जिसका प्रांगण सुंदर व लुभावना है।

शांत वातावरण है। एक तरफ गुरु रविदास जी मंदिर है जहां सुबह शाम पाठ व आरती होती है। अब इस स्कूल में श्री गुरु रविदास सभा कार्यकारिणी की देख रेख में शहर के अलावा ग्रामीण इलाकों से करीब 250 छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। स्कूल में सभी अध्यापक प्रशिक्षित हैं। बताते हैं कि यह स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभी मापदंड पूरे कर चुका हैं। जल्द ही सीनियर सेकेंडरी की मान्यता प्राप्त कर बच्चों को उच्च शिक्षा देगा।

डॉ आर आर फुलिया ने 1 जून को स्कूल का किया अवलोकन

हरियाणा सरकार में पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, सेवानिवृत आई.ए.एस और दो यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर रहे डॉ आर आर फुलिया ने 1 जून को स्कूल का अवलोकन किया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन को आर्थिक सहयोग राशि देते हुए सुंदर समाज के निर्माण के लिए शिक्षा जैसे सराहनीय कार्य को बढ़ावा देने के लिए बधाई भी दी और भविष्य में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रबंधन के पदाधिकारी चंद्र मोहन जनरल सेकेट्री,प्रकाश चंद्र सदस्य और स्कूल के प्रिंसिपल सुखदेव मेहरा को कुछ सुझाव भी दिए। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से हिंदी विभाग से प्रो. डॉ सुभाष सैनी, गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा ने भी स्कूल प्रबंधन की प्रसंशा की।

कनिका गोयल ने पूरे देश में यूपीएससी की सूची में टॉप टेन में 9वां स्थान हासिल किया

बता दें जिला के तीन होनहार युवाओं ने अपनी प्रतिभा के बल पर कैथल का नाम चमकाने का काम किया है। यूपीएससी के परिणाम में यह साबित भी कर दिया। माता-पिता की इकलौती बेटी कैथल की रहने वाली कनिका गोयल ने पूरे देश में यूपीएससी की सूची में टॉप टेन में 9वां स्थान हासिल कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है और उसके इस मुकाम की हर कोई सराहना कर रहा है। वहीं दूसरी बेटी दिव्यांशी ने 95वां व गुलियाणा गांव निसासी ड्राइंग टीचर के बेटे हरदीप राविश ने 227वां रैंक हासिल कर कैथल को गौरवान्वित करने का काम किया है। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि जिला में शिक्षा को लेकर अध्यापक, अभिभावक व बच्चे कितने जागरूक हैं और बुद्धि के धनी हैं।

हार मानना कभी नहीं

आत्म-चेतना में नित रहना, अज्ञान पालना कभी नहीं
आत्म-सम्मान बनाए रखना, हार मानना कभी नहीं!
जब कुछ उल्टा-पुल्टा हो जाए, अनचाहे या अनजाने
मार्ग अति अवरुद्ध लगे, चुभती हों कंटीली राहें
धन भी साथ रहे ना, तन को घेरे बीमारी
एक साथ ही आन पड़ें घोर विपत्ति भारी
हम चाहें मुस्काना, पड़ जाये भरना आहें
चिंताओ का बोझा सिर पर, उठ पाएँ ना निगाहें
कर लेना विश्राम तनिक, पर हार मानना कभी नहीं
हो कितना भी बलशाली दुश्मन, हथियार डालना कभी नहीं
उतार-चढ़ाव भरे हैं इस में, जीवन ऐसा ही दुश्तर है
पास परीक्षा सबको करनी, यही समझना श्रेयस्कर है
हिम्मत जो भी बैठे हार, गंतव्य कभी ना पाएँ
निराशा को जो दिखाते ठेंगा, विजयी वही बन जाएँ
हिम्मत से विघ्न पर वार करो, इससे तुम डरना कभी नहीं
राह कठिन हो, गति मंद हो, पर हार मानना कभी नहीं
घबराहट और चिंता में, जब मंजिल अतिशय दूर लगे
साहस कभी भी छोड़ो मत, कितनी भी चाहे धूल उड़े
बड़ी विडम्बना यही, जब बीच राह में जाते हार
सिर्फ डग-भर ही तो चलना था, खड़ी विजयश्री ले उपहार
संशय, भय और निर्बलता के, संस्कार पालना कभी नहीं!
कर दृढ़-संकल्प सँवारो जीवन, अभी नहीं तो कभी नहीं
आत्म-चेतना में नित रहना, अज्ञान पालना कभी नहीं
आत्म-सम्मान बनाएँ रखना, हार मानना कभी नहीं!

दिमाग की बत्ती जलाओ

अमेरिका में नीग्रो क्रांति

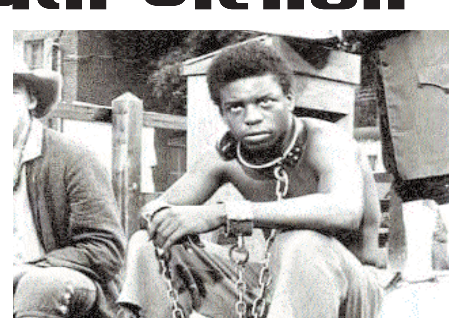

अमेरिका के बाजारों में लोहे की जंजीरों में जकड़े , गले में पट्टा पहनकर जानवरों की तरह महज सौ साल पहले बिकने वाले निग्रो, बगैर किसी आरक्षण के व्हाइट हाउस तक पहुंच गये और ओपरा विनफ्रे जैसी तमाम हस्तियां मीडिया में किंग बन गई ...
हॉलीवुड पर विल स्मिथ जैसे तमाम नीग्रो का कब्जा है
अमेरिका के 30 प्रतिशत जज नीग्रो है ... करीब 40 प्रतिशत पुलिस और 32 प्रतिशत आर्मी नीग्रो है ...
अमेरिका के 12 स्टेट के गवर्नर नीग्रो हैं और हमारे देश में सबसे पहले महाग्रंथ लिखने वाले वाल्मीकि महान संत शिरोमणि गुरु रविदास, सतगुरु कबीर साहेब, समाज सुधारक ज्योतिबा फुले, रानी झलकारी बाई और राजा सुहेलदेव , संविधान लेखक और आठ विषय मे डाक्टरेक्ट डॉ बाबा साहब के वंशज चन्द समाज के लोगो के बहकावे पर अभी तक इसी झूठ पर ही रोते हैं कि उनको लिखने पढ़ने नहीं दिया गया।
अतुल्य भारत इसी को कहते हैं।

साभार : सोशल मीडिया

डाकघर मे आधार कार्ड बनवाने व ठीक करने का कार्य जोरों पर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। मुख्य डाकघर में नए आधार कार्ड बनवाने, पुराने आधार कार्ड में त्रुटियों को दूर करने के लिए विशेष काउंटर लगाया गया है। जिसमें शहरवासीयों व दूर दराज के क्षेत्र से नागरिक आकर सेवाएँ ले रहे हैं। इस सेवा को प्राप्त करने के लिए किसी एरिया, जिले, राज्य की कोई सीमाएं कोई अड़चन नहीं है। पोस्ट मास्टर कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रधान डाकघर में आधार कार्ड संबधि सेवाए बहुत समय से दी जा रही हैं और अब तो हमारे कर्मचारी जरूरत की जगह जाकर भी कैंप लगाते हैं। उन्होने ने बताया कि स्कूल, गावों के इलावा यदि हमे किसी पार्षद, सरपंच या संस्था के माध्यम से सूचना मिलती है तो हम वहाँ जाकर भी आधार बनवाने व ठीक करवाने की सेवाए देते हैं। और उसके लिए सदैव तैयार भी हैं। डाक अधीक्षक देसू राम ने बताया कि कुरुक्षेत्र और कैथल जिले के बड़े डाकघरों में हम ये सेवाएँ दे रहे हैं। हमें खुशी है कि हम देश के नागरिकों को सरकार के निर्देशों के अनुसार सेवा दे पा रहें हैं और नागरिकों का हम पर विश्वास है। डाकघर, अपना घर की तर्ज पर उपलब्ध सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचाने के लिए हम सदैव तत्पर हैं।

बीएमसी क्लासेज छात्रों को आगे बढ़ने के दे रहा बेहतरीन कोचिंग

बीएमसी क्लासेज द्वारा 9 वीं कक्षा से बारहवीं तक के छात्रों को सीबीएससी सभी विषयों, आईआईटी, जेईई, नीट, सीयूईटी की तैयारी करवाई जाती है। एक स्कॉलरशिप टेस्ट पास करते हैं इसके अनुसार ही फीस कम होती है। ज्यादा जरुरतमंद छात्रों की फीस बिना टेस्ट के भी कम कर दी जाती है।
एस.सी.ओ 156,सेक्टर -7सी, मेन मार्किट करनाल,संपर्क न.9812653896,9034741200

क्रोध को समझो

क्रोध करने के करोड़ कारण गिनाओ, क्रोध की अग्नि में पहले तो खुद को ही जलना पड़ता है। भगवान बुद्ध कहते हैं, क्रोध तेज गर्म लोहे की वह छड़ है जिसे हाथ में पकड़ कर दूसरे पर फेंकते हैं। अगला जले या ना जले, खुद के हाथ तो पहले जरूर जलेंगे।

व्यक्ति क्रोध करता है तो हजार तर्क खोजता है, कारण गिनाता है कि क्रोध करना जरूरी था। बच्चे को क्रोध में पीटता है तो कहता है, नहीं मारेंगे तो सुधरेगा कैसे. लेकिन कौन समझाए कि भला मारने से कोई सुधरा है। टीचर स्कूल में बच्चों को पीटता है, इसलिए नहीं कि बच्चों को सुधारने से कुछ लेना देना है। असली वजह है अहंकार. जब भी उसके अहंकार को स्टूडेंट चोट पहुंचाता है तो वह क्रोध में पिटाई करता है. क्रोध के कई कारण व तर्क बता कर व्यक्ति क्रोध को सहारादेता है।

तथागत बुद्ध कहते हैं जिसने चित्त द्वारा, ध्यान द्वारा क्रोध को समझा, वह क्रोध से दूर हटने लगेगा क्योंकि क्रोध ने सिवाय दुख के पहाड़ के और कुछ नहीं बनाया। क्रोध ने दूसरों को भले ही न जलाया हो खुद को तो जलाया ही है। क्रोध से तुमने दूसरों पर कुछ अंगारे फेंके लेकिन अंगारों को पहले अपने भीतर पैदा करना पड़ता है। क्रोध की अग्नि में पहले खुद को जलाना पड़ता है।

गाली देने से दूसरे को चोट पहुंचे या नहीं लेकिन पहले खुद में गाली पैदा करनी पड़ती है। इसके लिए मन में दुखते घाव चाहिए। गाली देने से पहले पूरे शरीर को तैयार करना पड़ता है नहीं तो क्रोध और गाली कैसे पैदा होगी। क्रोध कहीं आकाश से तो आता नहीं, ना ही क्रोध किसी कारखाने में बनता है।

बुद्ध कहते है -तुम भीतर से अपने को जलाकर अंगारे पैदा करते हो फिर उन्हें दूसरों पर फेंकते हो। दूसरे जले या ना जले तुम पहले ही जल चुके होते हो। क्रोध करने के बाद दंड भला कौन देगा, तुम तो पहले ही दंड पा चुके होते हो।

इसलिए बुद्ध बार बार कहते हैं कि क्रोध को समझो, उसे सहारा मत दो। उसका पालन पोषण मत करो। सपोर्ट मत करो। और जैसे ही तुम बिना सहारा दिए क्रोध को देखोगे, तुम पाओगे, यह तो जहर था। यह तो आत्मघाती था। तुम अब तक क्या कर रहे थे। क्रोध में अपने को ही मिटाने में लगे थे। फिर तुम क्रोध से धीरे धीरे दूर हटने लगोगे। और जो ऊर्जा, जो शक्ति क्रोध में व्यर्थ नष्ट हो होती थी वही ऊर्जा प्रेम, करुणा व मैत्री बन जाएगी।

सबका मंगल हो..सभी प्राणी सुखी हो

प्रस्तुतिः डॉ. एम एल परिहार, जयपुर -9414242059

संत कबीर हिंदी साहित्य के एक महान कवि : रमेश फुले

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । गांव गोंदर में श्री गुरू रविदास सभा की ओर से रविवार को डा. भीमराव अंबेडकर पार्क में संत कबीरदास की जयंती पर रात्रि को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सभा प्रधान राजेश ढंकल व ब्लॉक समिति सदस्य सुनील कुमार ने की। कार्यक्रम में मुख्य प्रवक्ता के रूप में बाबा जगदीसदास पहुंचे। कार्यक्रम में मुख्यरूप से हलका विधायक धर्मपाल गोंदर, कांग्रेस नेता रमेश फूले, युवा नेता राजीव मामू गोंदर सहित विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेता पहुंचे। जिसमें कलाकारों ने संत कबीर दास की महिमा का गुणगान किया।

कांग्रेस नेता रमेश फुले ने कहा कि संत कबीर दास किसी जाति विशेष के नहीं थे, वे समस्त समाज के प्रेरणा स्रोत थे। जिन्होंने समाज के लोगों को अपने प्रवचनों से।सामाजिक बुराईयों के प्रति जागरूक किया। समाज के लोगों को आह्वान किया कि वह संतों के बताए मार्ग पर चले व उनके संदेश जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। फुले ने कहा कि संत कबीर दास हिंदी साहित्य के एक महान कवि ही नहीं,बल्कि विद्दंत विचारक एवं समाज सुधारक भी थे। उन्होंने अपनी कल्पना शक्ति व सकारात्मक विचारों के माध्यम से कई रचनाएं लिखीं और भारतीय संस्कृति के महत्व को समझाया। भक्तिकाल के प्रमुख कवि कबीरदास ने अपनी रचनाओं के माध्यम से लोगों को जीवन जीने का सही मार्ग समझाया। इस अवसर पर श्री गुरू रविदास सभा के प्रधान राजेश ढंकल, उप प्रधान रिंकू, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों को सरोपा व संत कबीरदास की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर रविदासिया समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

संत निरंजन दास जी ने डेरा बाबा लालदास में किया नए निशान साहिब का उद्घाटन

हजारों की संख्या में पहुंची संगत ने नवाया शीश, संत निर्मलदास जी ने संतजनों और संगत का किया अभिनंदन

गजब हरियाणा न्यूज/पूर्ण सिंह

यमुनानगर। श्री गुरु रविदास महाराज जी की चरणछोह प्राप्त प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल डेरा बाबा लालदास कपाल मोचन बिलासपुर (यमुनानगर) में मुख्यतिथि डेरा सचखंड बल्लां के गद्दीनशीन संत निरंजन दास जी महाराज व अन्य संतजनों के कर कमलों से नवनिर्मित निशान साहिब जी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में पहुंचे संगत के हुजूम ने गुरुघर में नतमस्तक होकर संतजनों का आशीर्वाद लिया। डेरा बाबा लालदास कपाल मोचन के गद्दीनशीन संत निर्मलदास जी महाराज ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित विशाल संत समागम की अध्यक्षता संत सुरक्षा मिशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महामंडलेश्वर एडवोकेट ज्ञाननाथ निराकारी जी ने की। वहीं, संत जैनदास हितकारी जी दयालगढ़, संत सुंदरानंद सरस्वती सैनवाला, संत रोशनी जी, संत विकास दास, संत मनदीप दास समेत अन्य संतजनों ने संगत को आशीर्वन दिए। संत निर्मलदास जी ने गुरुघर में पहुंचने पर संत निरंजन दास जी समेत सभी संतजन एवं संगत का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि डेरा लोगों को गुरवाणी से जोड़ने के साथ ही लोकभलाई के कार्य कर रहा है। यहां रहकर सैकड़ों छात्र अपनी पढ़ाई करते हैं। इसके अलावा लोगों की आंखों के लिए कैंप लगाए जाते हैं और अब तक हजारों लोगों की आंखों में फ्री लेंस डलवाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारे रहबर श्री गुरु रविदास जी और बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें शिक्षित बनने और संगठित रहने का संदेश दिया है। इसलिए उनके बताए मार्ग पर चलें और एकजुट होकर समाज के काम आएं। अपने बच्चों को नशे से दूर रखें और शिक्षा अवश्य दिलाएं।

परमेश्वर की भक्ति बेहद जरूरी : संत ज्ञाननाथ निराकारी

इस अवसर पर संगत को संबोधित करते हुए संत ज्ञाननाथ निराकारी ने कहा कि परमेश्वर की भक्ति बेहद जरूरी है। भक्ति के बिना इंसान भवसागर पार नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ ब्रह्मज्ञान की बातें करने और इधर उधर की ली गई जानकारियां और लच्छेदार विचार करने से किसी का कल्याण नहीं हो सकता। उधारी ली गई काल्पनिक और मनगढ़ंत बातें ज्यादा देर तक नहीं टिकती। उन्होंने कहा कि संकल्प लें मोह निद्रा को त्यागें, साधन नहीं साधना करें। मेहनत करके अनुभव करें, स्वार्थ नहीं परमार्थ के साथ पुरषार्थ करें।

गुरुवाणी से जुडें : संत जैनदास हितकारी

वहीं, संत जैनदास हितकारी ने कहा कि गुरु रविदास जी ने हमें सच के मार्ग पर चलने का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा कि मन से बंदगी करो और हाथों से काम करो। सच की कमाई करो। संत जैनदास ने कहा कि गुरुवाणी से जुडें और गुरुवाणी को जीवन में धारण करें। इधर उधर भटकने की बजाय अपने पूर्ण गुरु सतगुरु रविदास जी महाराज की शरण में आएं जिनकी शरण में तत्कालीन 52 राजा रानियां भी आए और गुरु जी के शिष्य बने। गुरु रविदास जी ने अपनी वाणी में इस जीवन का सार बताया है। इसलिए उनकी वाणी को आत्मसात करें।

यह लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर साढौरा विधायक रेनू बाला, युवा कांग्रेस की जिलाध्यक्ष एडवोकेट मधु चौधरी, डॉ. अंबेडकर एजूकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष निशा बुराक, अमरनाथ ग्यासडा, मास्टर रमेश, अशोक शेरवाल, पूर्व सरपंच ऋषिपाल ककडौनी, जनस्वास्थ्य विभाग के सुप्रीडेंट गुरमेल सिंह, मेहमा सिंह, डा. बनारसी दास समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

बेसहारा पशु सड़कों पर जमा रहे डेरा, अनदेखा कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे अधिकारी एवं कर्मचारी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। पिपली कस्बा में दिनोंदिन बेसहारा पशुओं की तादाद बढ़ रही है और चारों तरफ सड़कों पर ये पशु आपस में भिड़ते देखे जा सकते हैं और राहगीरों की तरफ भी बेसहारा पशु लपक पड़ते हैं बल्कि अनेक हादसे भी इनकी वजह से हो जाते हैं। कई बार वाहनों के सामने पशु आ जाते हैं जिससे हादसा हो जाता है और प्रदेश में अनेक मामले सामने भी आए जिनमें बेसहारा पशुओं की वजह से होने वाले हादसों में लोगों को अपनी जान तक गवानी पड़ी लेकिन अधिकारी व कर्मचारी इस मामले में गंभीर नहीं दिख रहे हैं यदि ड्यूटी पर कार्यरत कोई कर्मचारी इन पशुओं को सड़क पर देख भी लेता है तो मुंह फेरकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। बृहस्पतिवार को कुछ ऐसा ही नजारा पिपली चौक पर देखने को मिला, जहां चौक के बीचोंबीच दो सांड आपस में भिड़ गए और एक दुसरे को सींग मारने लगे बल्कि इनके पास से चालक बचकर निकलते नजर आए लेकिन गनीमत रहीं कि सांड किसी राहगीर पर टूटकर नहीं पड़े, नहीं तो ऐसे में बड़ा हादसा भी हो सकता था।

वहीं साथ ही चौक के समीप कुर्सी पर एक होमगार्ड बैठा रहा जिसने उन बेसहारा पशुओं को वहां से हटाने की जहमत नहीं उठाई और टोकने पर मीडियाकर्मी से ही उलझ पड़ा और बोला कि यह उसका काम नहीं है, वह सारा दिन खड़े रहते हैं। जबकि प्रदेश सरकार द्वारा गौ सेवा आयोग बनाकर बजट का प्रावधान भी रखा गया है। लेकिन आयोग की कार्यप्रणाली पर लोग सवालिया निशान है?

हादसों में चोटिल हो रहे लोग: रोहित

कस्बावासी मुनीश का कहना है कि कस्बा में बेसहारा पशुओं की संख्यां दिनोंदिन बढ़ रही है। जबकि लाडवा रोड पर ज्यादा तादाद में सड़कों पर घूमते फिरते देखे जा सकते हैं। कई बार बेसहारा पशु सड़कों पर बैठे हुए रात के अंधेरे में नजर नहीं आते हैं जिनकी वजह से वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं और हादसो में अनेक लोग चोटिल भी हो चुके हैं।

सड़क पर झुंड में घूमते हैं बेसहारा पशु : बीर सिंह

आप पार्टी हरियाणा के व्यापारी संगठन के राज्य संयुक्त सचिव बीर सिंह ने कहा की बेसहारा पशु सड़क व कस्बे में झुंड में घूमते रहते है। जो दिन भर रेहड़ियों, दुकानों में रखे सामान में मुंह मारने के अलावा एकाएक बीच सड़क आकर खड़े हो जाते है। जिससे कई बार वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो जाते है। इसके अलावा बीच सड़क पर ही कई बार दो से तीन-चार सांड आपस में लड़ाई करने लगते है। यह लड़ाई भी इतनी भयानक होती है कि जो भी इनकी चपेट में आया उसकी हालत गंभीर हुए बिना नहीं रहती। फिर चाहे वह इंसान हो या कोई वाहन। प्रशासन इन बेसहारा पशुओं को पकड़कर गौशाला में छोड़े ताकि लोगों के जान माल की सुरक्षा हो सके।

प्रशासन व सामाजिक संस्थाएं पशुओं को पकड़, घायल पशुओं का करवाए इलाज : गुरप्रीत

समाजसेवी और रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य गुरप्रीत सिंह नंबरदार ने कहा की बेसहारा पशुओं के कारण कस्बावासियों में भय का माहौल बना हुआ है। क्योंकि बहुत बार सुनने में आता है कि सडक दुर्घटना का कारण बेसहारा पशु है। अत~ इनके कारण राहगीरों को भी जान माल का नुकसान होने का अंदेशा बना रहता है। प्रशासन बेसहारा पशुओं को पकडवा कर व चारें का प्रबंध करवा कर इनकों सुरक्षित स्थान उपलब्ध करवाए। कभी कभी पशु खुद भी सडक दुर्घटना में घायल हो जाते हैं या मर जाते हैं। प्रशासन व सामाजिक संस्थाएं द्वारा इन घायल पशुओं को सडक से उठाकर इनका उपचार करवाना चाहिए। वरना घायल पशु बिना उपचार के सडक पर तडफ कर मर दम तोड देता है और सडक दुर्घटना को बुलावा दे जाता है। उसके मृत शरीर से भी दुर्गंध निकलती है जिस से पर्यावरण प्रदूषित होता है। नगर परिषद के ईओ देवेंद्र नरवाल ने कहा कि समय समय पर अभियान चलाकर बेसहारा पशुओं को पकडने् का अभियान चलाया जाता है। जल्द टीम भेजकर पकड़वाएंगे।

कमाई करते हुए पढ़ाई करने का अवसर देती है इग्नू

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल के क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी डॉ. धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया की यदि कोई विद्यार्थी नौकरी करते हुए या अपना काम करते हुए उच्च शिक्षा हासिल करना चाहता है तो इग्नू की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली ऐसे विद्यार्थियों के लिए एक अवसर की तरह है। इग्नू में जुलाई 2023 सेशन के लिए एडमिशन अभी चल रहे है। इग्नू के विभिन्न सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन में 300 से अधिक पाठ्यक्रमों में एडमिशन ले सकते हैं। आज का युवा अपने पैरों पर खड़ा होकर आत्मनिर्भर बनना चाहता और इग्नू ऐसे सभी युवाओं को मौका देती है कि वह अपने काम काज करते-करते इग्नू से उच्च शिक्षा भी ले सकते है। आज अनेकों ऐसे विद्यार्थी है जो इग्नू के माध्यम से उच्च शिक्षा हासिल कर रहे है साथ में अपना काम काज या कॉम्पिटिशन परीक्षाओं की तैयारी कर रहे है। ऐसे एससी-एसटी विद्यार्थी जिन्होंने अभी 12वीं की परीक्षा पास की है वे सभी इग्नू तीन ग्रेजुएशन पाठ्यक्रमों बीए, बीएससी और बीकॉम कोर्स में फ्री एडमिशन ले सकते हैं। फ्री एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स के माता-पिता की इनकम ढाई लाख रुपये सालाना से अधिक नहीं होनी चाहिए, उन्हें सिर्फ 300 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस और 500 रुपये डेवलपमेंट फीस देनी होगी। इग्नू में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर कर सकते हैं।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की गजब हरियाणा समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। गजब हरियाणा समाचार पत्र के प्रकाशक,मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के वायदे पर खरा उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे। गजब हरियाणा समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने हैं। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं हैं। किसी भी विवाद की स्तिथि में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।

चमेल सिंह कश्यप बने युवा चेयरमैन

गजब हरियाणा न्यूज/मनोज

करनाल। हरियाणा युवा कश्यप राजपूत सभा 184 की मीटिंग। कश्यप राजपूत धर्मशाला करनाल में हुई। जिसकी अध्यक्षता युवा प्रदेश अध्यक्ष ईनलो नेता मननू कश्यप घरौंडा ने की संगठन को और मजबूत करने के लिए चेयरमैन व प्रभारी पदों पर नियुक्ति की। चमेल सिंह चेयरमैन तेजपाल कश्यप और सरपंच कशमिरा कश्यप को प्रभारी नियुक्त किया गया। कटाबाग मंडल से रामबीर कश्यप, सुभाष गेट मंडल से बालकिशन कश्यप, शामनगर मंडल से पवन कश्यप, अशोक नगर मंडल से रामकुमार कश्यप, सदरपर मंडल से, सीनु कश्यप, अर्जुन गेट मंडल से उदम कश्यप को नियुक्त किया गया।

सिविल सेवा अभ्यर्थी ईमानदारी, संवेदनशीलता, धैर्य और अंत्योदय की भावना से करें कार्य : मनोहर लाल

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सिविल सेवा के नवनियुक्त अभ्यर्थियों को लोक सेवकों की संज्ञा देते हुए कहा कि वे पूर्ण ईमानदारी, संवेदनशीलता, धैर्य, सेवाभाव और अंत्योदय की भावना के साथ कार्य करें। मुख्यमंत्री यहां संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल हुए हरियाणा के होनहार अभ्यर्थियों के लिए आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सभी अभ्यर्थियों को स्मृति चिन्ह एवं श्रीमदभगवद् गीता भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने प्रतिभावान युवाओं और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि चयनित अभ्यर्थी हरियाणा उदय व आत्मनिर्भर भारत में अच्छा योगदान देंगें। अब पूरा देश ही उनके लिए परिवार है। वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ आगे बढना है और समाज को सुखी बनाने के लिए बेहतर कार्य करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के बच्चे प्रतिभावान हैं। इसको लेकर पिछ्ले 8 वर्षो में सरकार ने नया वातावरण तैयार किया गया है। आज उसी का परिणाम है कि वर्ष 2022 की सिविल सेवा परीक्षा में प्रदेश के 6.50 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि अगर हम दूसरे क्षेत्रों की भी बात करें तो हरियाणा अनेक मामलों में अन्य प्रदेशों से अग्रणीय है। हरियाणा की कुल आबादी 2 प्रतिशत है जबकि रक्षा क्षेत्र में 10 प्रतिशत, खेलों में 35 प्रतिशत और कृषि क्षेत्र में 15 प्रतिशत हरियाणा का योगदान है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि इस योगदान को और आगे कैसे बढ़ाया जाए।

टॉप 100 में 19 अभ्यर्थियों का चयन होना हरियाणा के लिए गर्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 की सिविल सेवा परीक्षा परिणाम में प्रदेश के 63 अभ्यर्थियों और टॉप 100 में 19 अभ्यर्थियों का चयन होना हरियाणा के लिए गर्व का विषय है। इस परीक्षा में 32 ल?के व 31 ल?कियों का चयन होना बेटी बचाओ बेटी पढाओ मुहिम का भी सार्थक परिणाम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सिविल सेवा में चयनित 7 अधिकारियों ने भी यूपीएससी की परीक्षा में सफलता पाई है और इसमें एक हरियाणा पुलिस के प्रशिक्षणाधीन सब इंस्पेक्टर भी शामिल है। उन्होंने कहा कि पहले जय जवान, जय किसान का नारा था, जिसे आगे बढाते हुए जय विज्ञान, जय अनुसंधान कहा गया। इसमें बाद में जय पहलवान जोड़ा गया और आज इस अवसर पर युवा आगे बढाते हुए जय इम्तिहान का नारा चरितार्थ कर रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिविल सेवा का प्रशिक्षण केन्द्र लबासना शब्द ही युवाओं के लिए ऊर्जावान है। क्योंकि इसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभ्यर्थी प्रशिक्षण के दौरान ही उदार चरित्र अपनाएं और अंत्योदय को मुख्य ध्येय बनाकर पूरे देश को अपना परिवार मानते हुए सामाजिक सेवा की भावना से बिना भेदभाव के कार्य करें ताकि अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य में मन लगाकर कार्य करें और कभी भी किसी की बात को मन से न लगाएं। यही उनकी सेवा की सफलता की पहचान बनेगी।

सिविल सेवा का मुख्य ध्येय धन नहीं बल्कि समाज सेवा : संजीव कौशल

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि मेहनत और काबिलियत का सिविल सेवा से बेहतर दूसरा कोई विकल्प नहीं होता। लेकिन सिविल सेवा की डगर बहुत कठिन और चुनौती पूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा को मुख्य ध्येय धन नहीं बल्कि समाज सेवा मानकर करना चाहिए। आपस में भाईचारा बहुत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के दौरान भी हमें मिलना जुलना ही सिखाया जाता है, चाहे हम देश के किसी भी राज्य में कार्यरत हों।

अनुशासन और कर्तव्य की भावना सिखाती है पुलिस सेवा : पी के अग्रवाल

पुलिस महानिदेशक पी के अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा के चयनित युवा देशभर में ब्रांड अम्बेसडर के तौर पर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा को स्वेच्छा से खुश होकर चुने ताकि समाज को भी उनकी सेवाओं का लाभ मिले क्योंकि पुलिस सेवा अनुशासन और कर्तव्य का पाठ सिखाती है। उन्होंने कहा कि इस बार पांच अभ्यर्थियों का चयन पुलिस परिवारों से हुआ है।

गजब हरियाणा समाचार पत्र
की स्थापना के
सफलता के पांच वर्ष
पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं
5 YEARS
बीके भास्कर
पूर्व मुख्य शाखा प्रबंधक पीएनबी

गजब हरियाणा समाचार पत्र
5 YEARS
के सफलता पूर्वक पांच वर्ष पूर्ण
होने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं

एस के रंगा
जिला राजस्व अधिकारी(सेवानिवृत)
धर्म सिंह बुक्कल
सिनियर डिविजनल अकाउंट ऑफिसर (सेवानिवृत)
मंगल दास
सुप्रिंडेंट,उत्तर रेलवे(सेवानिवृत)
रामकुमार धानिया
सुप्रिंडेंट, इरीगेशन विभाग (सेवानिवृत)
बलवान सिंह
लैक्चरार (सेवानिवृत)
वीरेंद्र रॉय
समाजसेवी

गजब हरियाणा समाचार पत्र
के सफलता पूर्वक
5 YEARS
पांच वर्ष
पूर्ण होने
पर बहुत-बहुत
शुभकामनाएं
बीर सिंह
सदस्य ब्लॉक समिति पिपली, कुरुक्षेत्र

गजब हरियाणा समाचार पत्र
की स्थापना के
सफलता के पांच वर्ष
5 YEARS
पूर्ण होने
पर हार्दिक
शुभकामनाएं
कमल कुमार
शंकर कालोनी, लाडवा रोड़,
पिपली (कुरुक्षेत्र)

गजब हरियाणा समाचार पत्र
की स्थापना के
सफलता के पांच वर्ष
पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं
5 YEARS
जिले सिंह सभरवाल एडवोकेट
जिला कोर्ट कुरुक्षेत्र

बेगमपुरा व्यापार मंच
आर्थिक आज़ादी का अभियान (मिशन पे बेक टू सोसायटी)
यहाँ पर आप अपना पुराना व नया सामान खरीद व बेच सकते हैं
व बेगमपुरा व्यापार मंच से जुड़कर अपने दुकान व
बिजनेस का प्रचार-प्रसार कर सकते हैं।
ALL TYPE OF SERVICE AND PROBLEM SOLUTION CENTRE
TO-LET | प्रोपर्टी एडवाईजर | मैरिज ब्यूरो | OLD VEHICLE | DJ BOOKING
पलम्बर | कारपेंटर | इलैक्ट्रीशियन | पेंटर | टैन्ट सर्विस
CCTV CAMERA | गाड़ी बुकिंग | PACKER & MOVERS | PRINTING WORK | HAIR DRESSER
CSC WORK | TAILOR | हलवाई | मोबाईल रिपेयर | बाईक सर्विस
रविदासिया राजेश राठी, बेगमपुरा व्यापार मंच, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)
नेशनल कॉडिनेटर-बिजनेस विंग
सतगुरु रविदास रिसर्च एवं चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.)
(72062-72064)

गजब हरियाणा समाचार पत्र
5 YEARS
की स्थापना के सफलता के पांच वर्ष
पूर्ण होने पर हार्दिक शुभकामनाएं
यात्री सूचना एवं सुविधा केंद्र, पिपली (कुरुक्षेत्र)
भोजनालय
Breakfast Lunch
Dinner
AC Room 200 RS/-
Dormatary Bed
शुद्ध भोजन, सस्ते व आरामदायक बैड। एक बार सेवा का मौका जरुर दें।
गुरदयाल सिंह
संस्थापक, कुरुक्षेत्र दर्शन

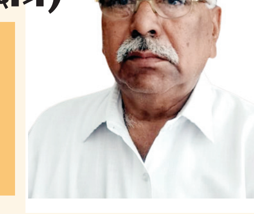

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसेन चौक, मोहन नगर, कार्यालय गजब हरियाणा कोठी न0 890 पी, सैक्टर -4, अर्बन एस्टेट कुरुक्षेत्र, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया।
सम्पादक जरनैल सिंह (9138203233) Registration Number : HAR/HIN/2018/77311